Om Jai Mahaveer Prabhu Aarti Lyrics

Om Jai Mahaveer Prabhu Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय महावीर प्रभु,
स्वामी जय महावीर प्रभु ।
जगनायक सुखदायक,
अति गम्भीर प्रभो ॥
ॐ जय महावीर प्रभु ।
स्वामी जय महावीर प्रभु ॥

कुण्डलपुर में जन्में,
त्रिशला के जाये ।
पिता सिद्धार्थ राजा,
सुर नर हर्षाए ॥
ॐ जय महावीर प्रभु ।
स्वामी जय महावीर प्रभु ॥

दीनानाथ दयानिधि,
हैं मंगलकारी ।
जगहित संयम धारा,
प्रभु परउपकारी ॥
ॐ जय महावीर प्रभु ।
स्वामी जय महावीर प्रभु ॥

पापाचार मिटाया,
सत्पथ दिखलाया ।
दयाधर्म का झण्डा,
जग में लहराया ॥
ॐ जय महावीर प्रभु ।
स्वामी जय महावीर प्रभु ॥

अर्जुनमाली गौतम,
श्री चन्दनबाला ।
पार जगत से बेड़ा,

इनका कर डाला ॥
ॐ जय महावीर प्रभु ।
स्वामी जय महावीर प्रभु ॥

पावन नाम तुम्हारा,
जगतारणहारा ।
निसिदिन जो नर ध्यावे,
कष्ट मिटे सारा ॥
ॐ जय महावीर प्रभु ।
स्वामी जय महावीर प्रभु ॥

करुणासागर ! तेरी,
महिमा है न्यारी ।
ज्ञानमुनि गुण गावे,
चरणन बलिहारी ॥
ॐ जय महावीर प्रभु ।
स्वामी जय महावीर प्रभु ॥

ॐ जय महावीर प्रभु,
स्वामी जय महावीर प्रभु ।
जगनायक सुखदायक,
अति गम्भीर प्रभु ॥
ॐ जय महावीर प्रभु ।
स्वामी जय महावीर प्रभु ॥

Om Jai Mahaveer Prabhu Aarti Lyrics in English

ॐ Jai Mahaveer Prabhu,
Swami Jai Mahaveer Prabhu.
Jaganayak Sukhadayak,
Ati Gambhir Prabho.
ॐ Jai Mahaveer Prabhu.
Swami Jai Mahaveer Prabhu.

Kundalpur mein janme,
Trishala ke jaye.
Pita Siddharth Raja,

Sur Nar Harshaaye.
ॐ Jai Mahaveer Prabhu.
Swami Jai Mahaveer Prabhu.

Deenanath Dayanidhi,
Hain Mangalkari.
Jagahit Sanyam Dhara,
Prabhu Parupkari.
ॐ Jai Mahaveer Prabhu.
Swami Jai Mahaveer Prabhu.

Paapachar mitaya,
Satpath dikhlaya.
Dayadharm ka Jhanda,
Jag mein lehraaya.
ॐ Jai Mahaveer Prabhu.
Swami Jai Mahaveer Prabhu.

Arjunmaali Gautam,
Shri Chandanbala.
Paar Jagat se beda,
Inka kar daala.
ॐ Jai Mahaveer Prabhu.
Swami Jai Mahaveer Prabhu.

Pawan naam tumhara,
Jagataranhara.
Nisidin jo nar dhyave,
Kasht mite saara.
ॐ Jai Mahaveer Prabhu.
Swami Jai Mahaveer Prabhu.

Karunasagar! Teri,
Mahima hai nyari.
Gyaanmuni gun gaave,
Charanan balihari.
ॐ Jai Mahaveer Prabhu.
Swami Jai Mahaveer Prabhu.

ॐ Jai Mahaveer Prabhu,
Swami Jai Mahaveer Prabhu.
Jaganayak Sukhadayak,
Ati Gambhir Prabhu.
ॐ Jai Mahaveer Prabhu.
Swami Jai Mahaveer Prabhu.

Om Jai Mahaveer Prabhu Aarti Meaning in Hindi

1. **ॐ जय महावीर प्रभु,**
    - यहाँ "ॐ" एक पवित्र ध्वनि है, और "जय महावीर प्रभु" का अर्थ है "महावीर प्रभु की जय हो।" यह एक स्तुति है जो भगवान महावीर के प्रति सम्मान प्रकट करती है।
2. **स्वामी जय महावीर प्रभु।**
    - "स्वामी" का अर्थ है "स्वामी या प्रभु," जो महावीर को आदरपूर्वक संबोधित करता है। यह पुनः उनकी जय का उच्चारण है।
3. **जगनायक सुखदायक,**
    - "जगनायक" का अर्थ है "संसार के नेता" और "सुखदायक" का अर्थ है "सुख देने वाला।" यह महावीर की महानता को दर्शाता है कि वे सभी के लिए सुख का स्रोत हैं।
4. **अति गम्भीर प्रभो।**
    - "अति गम्भीर" का अर्थ है "बहुत गंभीर" और यह प्रभु के गंभीर स्वभाव को दर्शाता है, जो ज्ञान और सदाचार का प्रतीक है।

5. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - पुनः महावीर की स्तुति की जा रही है, यह एक जप की तरह है।

6. **कुण्डलपुर में जन्में,**
    - यह पंक्ति बताती है कि महावीर का जन्म कुण्डलपुर में हुआ था।

7. **त्रिशला के जाये।**
    - "त्रिशला" महावीर की माता का नाम है। यह उनके माता-पिता का सम्मान कर रही है।

8. **पिता सिद्धार्थ राजा,**
    - महावीर के पिता का नाम "सिद्धार्थ" है और वे राजा थे, जो उनके राजसी वंश को दर्शाता है।

9. **सुर नर हर्षाए।**
    - "सुर" देवताओं और "नर" मनुष्यों के लिए है, यह दर्शाता है कि महावीर का जन्म सुनहरे समय में हुआ था, जिससे सभी लोग खुश थे।

10. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - एक बार फिर महावीर की स्तुति की जा रही है।

11. **दीनानाथ दयानिधि,**

- “दीनानाथ” का अर्थ है “गरीबों के स्वामी” और “दयानिधि” का अर्थ है “करुणा का सागर।” यह महावीर के करुणामय स्वभाव को दर्शाता है।

12. **हैं मंगलकारी।**
    - यह पंक्ति कहती है कि महावीर शुभ और मंगलकारी हैं, जो सभी के जीवन में कल्याण लाते हैं।

13. **जगहित संयम धारा,**
    - “जगहित” का अर्थ है “संसार के हित में,” और “संयम धारा” का अर्थ है “संयम की धारा,” जो महावीर द्वारा स्थापित सिद्धांतों को दर्शाता है।

14. **प्रभु परउपकारी।**
    - “परउपकारी” का अर्थ है “दूसरों की भलाई करने वाला,” जो महावीर के करुणामय स्वभाव को और स्पष्ट करता है।

15. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - पुनः महावीर की स्तुति की जा रही है।

16. **पापाचार मिटाया,**
    - महावीर ने “पापाचार” (बुराई) को मिटाने का कार्य किया है।

17. **सत्पथ दिखलाया।**

◦ “सत्पथ” का अर्थ है “सच्चा मार्ग,” महावीर ने सत्य और धर्म का मार्ग दिखाया।

18. **दयाधर्म का झण्डा,**
    ◦ “दयाधर्म” का अर्थ है “दयालु धर्म,” यह दर्शाता है कि महावीर ने दया और करुणा का झंडा उठाया।

19. **जग में लहराया।**
    ◦ महावीर के संदेशों को सभी स्थानों पर फैलाया गया है।

20. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    ◦ पुनः महावीर की स्तुति की जा रही है।

21. **अर्जुनमाली गौतम,**
    ◦ “अर्जुनमाली” और “गौतम” महावीर के शिष्य हैं, जो उनकी शिक्षाओं का प्रचार करते हैं।

22. **श्री चन्दनबाला।**
    ◦ “चन्दनबाला” भी एक महत्वपूर्ण व्यक्ति है जो महावीर के अनुयायी हैं।

23. **पार जगत से बेड़ा,**
    ◦ यह पंक्ति बताती है कि महावीर ने संसार को पार करने का मार्ग दिखाया है।

24. **इनका कर डाला।**
    - महावीर की शिक्षाओं के माध्यम से उन्होंने लोगों का उद्धार किया।

25. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - पुनः महावीर की स्तुति की जा रही है।

26. **पावन नाम तुम्हारा,**
    - महावीर का नाम पवित्र माना जाता है।

27. **जगतारणहारा।**
    - “जगतारणहारा” का अर्थ है “संसार को तारने वाला,” जो महावीर की शक्ति को दर्शाता है।

28. **निसिदिन जो नर ध्यावे,**
    - जो लोग हर दिन महावीर का ध्यान करते हैं।

29. **कष्ट मिटे सारा।**
    - उनके सभी कष्ट मिट जाते हैं।

30. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - पुनः महावीर की स्तुति की जा रही है।

31. **करुणासागर ! तेरी,**
    ◦ महावीर को “करुणासागर” कहकर संबोधित किया गया है, जो उनकी करुणा को दर्शाता है।

32. **महिमा है न्यारी।**
    ◦ उनकी महिमा अद्वितीय और विशेष है।

33. **ज्ञानमुनि गुण गावे,**
    ◦ “ज्ञानमुनि” उनके गुणों की प्रशंसा करते हैं।

34. **चरणन बलिहारी।**
    ◦ यह उनके चरणों को प्रणाम करने का भाव है, जो उन्हें आदर्श मानते हैं।

35. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    ◦ पुनः महावीर की स्तुति की जा रही है।

36. **ॐ जय महावीर प्रभु,**
    ◦ यह पुनः महावीर की स्तुति के रूप में है।

37. **स्वामी जय महावीर प्रभु।**
    ◦ यह महावीर के प्रति श्रद्धा और सम्मान को व्यक्त करता है।

38. **जगनायक सुखदायक,**
   - महावीर को जगत का नेता और सुख देने वाला कहा गया है।

39. **अति गम्भीर प्रभु।**
   - महावीर की गंभीरता और महत्व को दर्शाता है।

40. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
   - एक बार फिर महावीर की स्तुति की जा रही है।

41. **स्वामी जय महावीर प्रभु।**
   - महावीर को स्वामी कहकर संबोधित किया गया है।

यह स्तुति भगवान महावीर की महानता, करुणा, और सच्चाई का गुणगान करती है।

Om Jai Mahaveer Prabhu Aarti Meaning in English

1. **ॐ जय महावीर प्रभु,**
   - "ॐ" is a sacred sound, and "Jai Mahavir Prabhu" means "Hail Lord Mahavir." This is a form of praise expressing reverence towards Lord Mahavir.

2. **स्वामी जय महावीर प्रभु।**
    - “Swami” means “Lord” or “Master,” addressing Mahavir with respect. This is again a declaration of his greatness.
3. **जगनायक सुखदायक,**
    - “Jaganayak” means “leader of the world,” and “sukhdayak” means “bringer of happiness.” This signifies Mahavir as a source of joy for all.
4. **अति गम्भीर प्रभो।**
    - “Ati gambhir” means “very serious,” indicating that the Lord possesses a profound and serious nature, representing wisdom and righteousness.
5. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - This is a repetition of the praise, reinforcing the reverence for Lord Mahavir.
6. **कुण्डलपुर में जन्में,**
    - This line states that Mahavir was born in Kundalpur.
7. **त्रिशला के जाये।**
    - “Trishala” is the name of Mahavir’s mother. This honors his parentage.

8. **पिता सिद्धार्थ राजा,**
   - The father of Mahavir is named “Siddharth,” and he was a king, indicating Mahavir’s royal lineage.

9. **सुर नर हर्षाए।**
   - “Sur” refers to deities and “nar” refers to humans, suggesting that Mahavir was born in a time when both gods and humans rejoiced.

10. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
   - Again, this is a chant praising Mahavir.

11. **दीनानाथ दयानिधि,**
   - “Dinanath” means “Lord of the needy,” and “dayanidhi” means “ocean of compassion.” This reflects Mahavir’s compassionate nature.

12. **हैं मंगलकारी।**
   - This line states that Mahavir is auspicious and brings well-being to all.

13. **जगहित संयम धारा,**
   - “Jagahit” means “for the benefit of the world,” and “sanyam dhara” refers to “the stream of self-control,” highlighting the principles Mahavir established.

14. प्रभु परउपकारी।
    - “Parupkari” means “benefactor of others,” further emphasizing Mahavir’s nature of compassion and service to humanity.

15. ॐ जय महावीर प्रभु।
    - This is a repeated praise of Mahavir.

16. पापाचार मिटाया,
    - Mahavir eradicated “papachar” (wrongdoings).

17. सत्पथ दिखलाया।
    - “Satpath” means “the path of truth,” indicating that Mahavir showed the way of truth and righteousness.

18. दयाधर्म का झण्डा,
    - “Dayadharm” means “the religion of compassion,” signifying that Mahavir raised the banner of compassion and morality.

19. जग में लहराया।
    - This indicates that Mahavir’s teachings spread throughout the world.

20. ॐ जय महावीर प्रभु।

- Once again, this is a chant praising Mahavir.

21. **अर्जुनमाली गौतम,**
    - “Arjunmali” and “Gautam” are disciples of Mahavir who spread his teachings.

22. **श्री चन्दनबाला।**
    - “Chandanbala” is also an important figure who is a follower of Mahavir.

23. **पार जगत से बेड़ा,**
    - This line suggests that Mahavir has provided a means to cross the worldly ocean (overcome worldly difficulties).

24. **इनका कर डाला।**
    - Through Mahavir’s teachings, he has helped people achieve salvation.

25. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - This is a repeated praise of Mahavir.

26. **पावन नाम तुम्हारा,**
    - Mahavir’s name is considered sacred.

27. **जगतारणहारा।**
    - “Jagatarnahara” means “savior of the world,” indicating Mahavir’s power to save and uplift.

28. **निसिदिन जो नर ध्यावे,**
    - Those who meditate on Mahavir daily.

29. **कष्ट मिटे सारा।**
    - All their troubles are alleviated.

30. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - Again, this is a chant praising Mahavir.

31. **करुणासागर! तेरी,**
    - Mahavir is addressed as “Ocean of Compassion,” reflecting his boundless compassion.

32. **महिमा है न्यारी।**
    - His glory is unique and special.

33. **ज्ञानमुनि गुण गावे,**
    - “Gyanmuni” praises his virtues and qualities.

34. **चरणन बलिहारी।**
    - This expresses a devotion to Mahavir’s feet, showing humility and respect.

35. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - Again, this is a chant praising Mahavir.

36. **ॐ जय महावीर प्रभु,**
    - This reiterates the praise of Mahavir.

37. **स्वामी जय महावीर प्रभु।**
    - This acknowledges Mahavir with reverence, calling him “Lord.”

38. **जगनायक सुखदायक,**
    - Mahavir is referred to as the leader of the world and the giver of happiness.

39. **अति गम्भीर प्रभु।**
    - This emphasizes Mahavir’s seriousness and importance.

40. **ॐ जय महावीर प्रभु।**
    - Once again, this is a chant praising Mahavir.

41. **स्वामी जय महावीर प्रभु।**
    - This continues to show respect and honor towards Mahavir.

This hymn beautifully praises Lord Mahavir, highlighting his virtues, teachings, and the compassion he embodies.